International Journal of Humanities and Social Science Research
ISSN: 2455-2070; Impact Factor: RJIF 5.22
Received: 05-07-2020; Accepted: 20-07-2020; Published: 06-08-2020
www.socialsciencejournal.in
Volume 6; Issue 4; 2020; Page No. 69-72

किशोरियों की जीवन–शैली में स्वास्थ्य के प्रति सजगता का उनके गृह वातावरण के संदर्भ में अध्ययन

पूजा
एस०आर०एफ० (शिक्षाशास्त्र), एस०एस०जे० कुमाऊँ विश्वविद्यालय परिसर, अल्मोड़ा, उत्तराखंड, भारत

सारांश
जीवन–शैली से तात्पर्य, जीवन जीने के तरीके से है। आधुनिक जीवन–शैली ने स्वास्थ्य सम्बन्धी कई चुनौतियाँ पेश की हैं, स्वास्थ्य सम्बन्धी सभी समस्याओं से निपटने मे योग की भूमिका महत्वपूर्ण है । योग केवल आसन व प्राणायाम नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण जीवन–शैली है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य वर्णात्मक शोध की सर्वेक्षण प्रविधि के द्वारा माध्यमिक स्तर की विभिन्न जातिवर्ग की ग्रामीण एवं शहरी किशोरियों की जीवन–शैली में स्वास्थ्य के प्रति सजगता का उनके गृह वातावरण के संदर्भ में अध्ययन करना था। अध्ययन में उत्तराखण्ड राज्य के ऊधमसिंह नगर जिले से स्तरीकृत यादृच्छिक चयन विधि द्वारा विभिन्न जातिवर्ग (सा०जाति, पि०जाति, अनु०जाति, अनु०जनजाति) की 1000 किशोरियों का चयन किया गया । शोध उपकरण के रुप में स्वनिर्मित स्वास्थ्य के प्रति सजगता मापनी द्वारा आकडों का संग्रहण किया गया। आँकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन तथा सहसम्बन्ध गुणांक का प्रयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष के अनुसार व्यैक्तिक पृष्ठभूमि (ग्रामीण, शहरी, सा०जाति, पि०जाति, अनु०जाति) के आधार पर किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता का उनके गृह वातावरण के साथ सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। वहीं अनु०जनजाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण में सहसम्बन्ध असार्थक पाया गया। शहरी तथा सा०जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता सबसे अधिक एवं अति उच्च स्तर की पायी गयी। वहीं ग्रामीण तथा अनु०जनजाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता अपेक्षाकृत कम एवं उच्च स्तर की पायी गयी।

मूल शब्दः किशोरी, ग्रामीण एवं शहरी, जातिवर्ग, स्वास्थ्य के प्रति सजगता, गृह वातावरण

प्रस्तावना

''स्वास्थ्य की शुरुआत लोगो के घरों में से होती है।– फलौरेंन्स नाईटेंग्ल''

स्वास्थ्य ही धन है। मनुष्य के पूर्ण जीवन काल में उसका शरीर ही उसका साथ देता है। निरोग व स्वस्थ्य जन्म लेने वाला शिशु वातावरणीय कारकों के प्रभाव में आकर अपने जीवन काल के चरणों से होते हुये बाहय व आन्तरिक रूप से स्वस्थ्य सम्बन्धी विकारों का सामना करता है। अनुवांशिक व वातारणीय कारक उसके शारीरिक वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करते है। मनुष्य के पूर्ण जीवन काल की अवस्थाओं में किशोरावस्था जीवन का महत्वपूर्ण चरण है जो स्वास्थ्य को सुधारने का दूसरा अवसर होता है। स्वस्थ्य किशोर वर्ग ही भविष्य में स्वस्थ्य समाज के निर्माण में सहयोग देगा। विशेषकर किशोरियाँ , किशोर बालिकाओं को किशोरावस्था के दौरान स्वास्थ्य से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार शारीरिक, मानसिक तथा भावनात्मक परिस्थितियों का सामना करना पडता हैं । एक स्वस्थ्य किशोरी ही भविष्य में एक स्वस्थ्य सशक्त महिला के रुप में माँ , पत्नी तथा समाज की विभिन्न जिम्मेदारियों को वहन कर सकती है। अतः आवश्यक है कि किशोरियों की स्वास्थ्य सम्बन्धित विकारों की समय पर पहचान, परहेज तथा उचित उपाय के लिए जागरुक कर उसके भावी के उन्नयन में सहयोग दिया जाये।

गृह वातावरण हमारी स्वास्थ्य के प्रति सजगता व जीवन शैली को प्रभावित होती हैं। सत्याबमा एवं अन्य (2014) के द्वारा किशोरियों की मानसिक स्वास्थ्य पर गृह वातावरण के प्रभाव एवं सम्बन्धों की जाँच हेतू किये अध्ययन में पाया कि किशोरियों के गृह वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सम्बन्ध था। महिलाओं के स्वास्थ्य पर उनके पालन–पोषण तथा गृह–वातावरण का महत्वपूर्ण योगदान है। अतः हम कह सकते है कि गृह वातावरण महिला स्वास्थ्य का मुख्य घटक है। जीवन शैली नित्य प्रतिदिन के जीवन खान–पान, वेशभूषा, मूल्यों, दृष्टिकोणों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। आधुनिकता के प्रभाव के कारण हमारे खान–पान तथा जीवन शैली में भी परिवर्तन हुए हैं, जिसका प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। हमारी जीवन शैली भी गृह वातावरण से सम्बन्धित होती हैं। अतः उपरोक्त विवेचना से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि वर्तमान समय में किशोरावस्था में ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा उत्तम जीवन शैली का होना आवश्यक है क्योंकि भविष्य में उनको विभिन्न भूमिकाओं का निर्वाह करना है जिसके लिए किशोरावस्था से ही वे अपने स्वास्थ्य तथा जीवन शैली के प्रति सचेत रहना आवश्यक हैं। अतः शोधार्थी ने किशोरावस्था की बालिकाओं के जीवन शैली में स्वास्थ्य के प्रति सजगता का उनके व्यैक्तिक पृष्ठभूमि एवं गृह वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन को अपने शोध विषय के रूप में चुना है।

शोध कथन– किशोरियों की जीवन–शैली में स्वास्थ्य के प्रति सजगता का उनके गृह वातावरण के संदर्भ में अध्ययन।

शोध कार्य का सीमाकंन

प्रस्तुत शोध जनपद ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड) के ग्रामीण तथा शहरी दोनो क्षेत्रों के शासकीय तथा सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक बालिका विद्यालयों तक सीमित है, जिसमे केवल कक्षा नौवीं तथा दसवीं में अध्ययनरत् सामान्य जाति, पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति किशोरियों को सम्मिलित किया गया हैं।

शोध के उद्देष्य

1. माध्यमिक स्तर की शहरी एवं ग्रामीण किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता का अध्ययन।
2. माध्यमिक स्तर की ग्रामीण किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।
3. माध्यमिक स्तर की शहरी किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।
4. माध्यमिक स्तर की विभिन्न जाति वर्ग की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता का अध्ययन।
5. माध्यमिक स्तर की सामान्य जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।
6. माध्यमिक स्तर की पिछड़ी जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।
7. माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।
8. माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जनजाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।

शोध की परिकल्पनायें

1. माध्यमिक स्तर की ग्रामीण किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं हैं।
2. माध्यमिक स्तर की शहरी किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं हैं।
3. माध्यमिक स्तर की सामान्य जाति किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं हैं।
4. माध्यमिक स्तर की पिछड़ी जाति किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं हैं।
5. माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जाति किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं हैं।
6. माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जनजाति किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं हैं।

अनुसंधान विधि– प्रस्तुत शोध के हेतु वर्णात्मक शोध की सर्वेक्षण प्रविधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श एवं न्यादर्शन प्रविधि

प्रस्तुत शोध में **समानुपाती स्तरित यादृच्छिक न्यादर्शन** विधि के प्रयोग द्वारा सभी जाति वर्ग की किशोरियों का न्यादर्श के रुप में चयन किया गया। प्रस्तुत अध्ययन का न्यादर्श प्रारुप प्रस्तुत तालिका में प्रदर्शित किया गया है।

यायदर्ष प्रारुप

निवास स्थान ↓	जाति वर्ग				योग
	सामान्य जाति	पिछड़ी जाति	अनु० जाति	अनु० जनजाति	
ग्रामीण	110	204	140	25	479
शहरी	105	275	135	05	521
योग	215	480	275	30	1000

चर – आश्रित चर – स्वास्थ्य के प्रति सजगता।
स्वतन्त्र चर – निवास स्थान, जातिवर्ग, गृह वातावरण।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध मे आंकड़ो के संकलन हेतु सर्वेक्षण प्रविधि का प्रयोग किया गया। शोध उपकरण के रुप में स्वनिर्मित व्यैक्तिक पृष्ठभूमि सूचना प्रपत्र एवं स्वनिर्मित स्वास्थ्य के प्रति सजगता मापनी तथा ए॰ अख्तर एंव एस॰ बी॰ सक्सेना द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत गृह वातावरण मापनी का प्रयोग किया गया।
सांख्यिकी – आँकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन तथा सहसम्बन्ध गुणांक का प्रयोग किया गया।

आँकडों का विश्लेषण एवं व्याख्या

उद्देष्य 1 – माध्यमिक स्तर की शहरी एवं ग्रामीण किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता का अध्ययन।

तालिका 1: माध्यमिक स्तर की शहरी एवं ग्रामीण किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता के मध्यमान एवं मानक विचलन विवरण

आश्रित चर	स्वतन्त्र चर (निवास)	संख्या	मध्यमान	मानक–विचलन
स्वास्थ्य–सजगता	ग्रामीण	477	24.99	03.61
	शहरी	523	25.27	03.58

माध्यमिक स्तर की ग्रामीण तथा शहरी किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता का मध्यमान क्रमशः 24.99 व 25.27 तथा मानक विचलन क्रमशः 03.61 व 03.58 है। उपरोक्त मध्यमानों के अन्तर से यह ज्ञात होता है कि शहरी किशोरियाँ की स्वास्थ्य के प्रति सजगता ग्रामीण किशोरियों से बेहतर पायी गयी।
उद्देष्य 2 – माध्यमिक स्तर की शहरी किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।

तालिका 2: माध्यमिक स्तर की ग्रामीण किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक के मान का विवरण्ज्ञं

आश्रित चर	स्वतन्त्र चर	संख्या	स्वतंत्र अंश (df)	सहसम्बन्ध गुणांक (r)	परिणाम
स्वास्थ्य–सजगता	गृह वातावरण	477	475	0.261**	सार्थक

**= 0.01 स्तर पर सार्थक

उपरोक्त तालिकानुसार माध्यमिक स्तर की ग्रामीण किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध के अवलोकन से ज्ञात होता है कि, स्वतंत्र अंश (df) 475 पर

प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांकों का मान, सहसम्बन्ध तालिका में सार्थकता स्तर 0.01 पर प्रदर्शित मान 0.128 से अधिक है जो दर्शाता है कि माध्यमिक स्तर की ग्रामीण किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य परिमित कोटि का धनात्मक व सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। अतः परिकल्पना 1 अस्वीकृत होती हैं।

उद्देष्य 3 – माध्यमिक स्तर की ग्रामीण किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।

तालिका 3: माध्यमिक स्तर की शहरी किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक के मान का विवरण।

आश्रित चर	स्वतन्त्र चर	संख्या	स्वतंत्र अंश (df)	सहसम्बन्ध गुणांक (r)	परिणाम
स्वास्थ्य–सजगता	गृह वातावरण	523	521	0.212**	सार्थक

**= 0.01 स्तर पर सार्थक

उपरोक्त तालिकानुसार माध्यमिक स्तर की शहरी किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध के अवलोकन से ज्ञात होता है कि, स्वतंत्र अंश (df) 521 पर प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांकों का मान, सहसम्बन्ध तालिका में सार्थकता स्तर 0.01 पर प्रदर्शित मान 0.115 से अधिक है जो दर्शाता है कि माध्यमिक स्तर की शहरी किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य परिमित कोटि का धनात्मक व सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। अतः परिकल्पना 2 अस्वीकृत होती हैं।

उद्देष्य 4 – माध्यमिक स्तर की विभिन्न जाति वर्ग की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता का अध्ययन।

तालिका 4: माध्यमिक स्तर की विभिन्न जाति वर्ग की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता के मध्यमान एवं मानक विचलन विवरण

आश्रित चर	स्वतन्त्र चर (जाति वर्ग)	संख्या	मध्यमान	मानक–विचलन
स्वास्थ्य–सजगता	सामान्य जाति	215	25.28	03.34
	पिछड़ी जाति	480	25.16	03.63
	अनुसूचित जाति	275	25.07	03.68
	अनुसूचित जनजाति	30	24.27	03.99

उपरोक्त तालिका में माध्यमिक स्तर की विभिन्न जाति वर्ग की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता के मध्यमान एवं मानक विचलन को प्रदर्शित किया गया हैं। मध्यमानों के अवलोकन से ज्ञात होता हैं कि सभी जाति वर्ग की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता औसत स्तर की हैं।

उद्देष्य 5 – माध्यमिक स्तर की सामान्य जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।

तालिका 5: माध्यमिक स्तर की सामान्य जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक के मान का विवरण।

आश्रित चर	स्वतन्त्र चर	संख्या	स्वतंत्र अंश (df)	सहसम्बन्ध गुणांक (r)	परिणाम
स्वास्थ्य–सजगता	गृह वातावरण	215	213	0.200**	सार्थक

**= 0.01 स्तर पर सार्थक

उपरोक्त तालिकानुसार माध्यमिक स्तर की सामान्य जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध के अवलोकन से ज्ञात होता है कि, स्वतंत्र अंश (df) 213 पर प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांकों का मान, सहसम्बन्ध तालिका में सार्थकता स्तर 0.01 पर प्रदर्शित मान 0.181 से अधिक है जो दर्शाता है कि माध्यमिक स्तर की सामान्य जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य परिमित कोटि का धनात्मक व सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। अतः **परिकल्पना 3** अस्वीकृत होती हैं।

उद्देष्य 6 – माध्यमिक स्तर की पिछड़ी जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।

तालिका 6: माध्यमिक स्तर की पिछड़ी जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक के मान का विवरण।

आश्रित चर	स्वतन्त्र चर	संख्या	स्वतंत्र अंश (df)	सहसम्बन्ध गुणांक (r)	परिणाम
स्वास्थ्य–सजगता	गृह वातावरण	480	478	0.253**	सार्थक

**= 0.01 स्तर पर सार्थक

उपरोक्त तालिकानुसार माध्यमिक स्तर की पिछड़ी जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध के अवलोकन से ज्ञात होता है कि, स्वतंत्र अंश (df) 478 पर प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांकों का मान सहसम्बन्ध तालिका में सार्थकता स्तर 0.01 पर प्रदर्शित मान 0.128 से अधिक है जो दर्शाता है कि स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य परिमित कोटि का धनात्मक व सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। अतः परिकल्पना 4 अस्वीकृत होती हैं।

उद्देष्य 7 – माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।

तालिका 7: माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक के मान का विवरण।

आश्रित चर	स्वतन्त्र चर	संख्या	स्वतंत्र अंश (df)	सहसम्बन्ध गुणांक (r)	परिणाम
स्वास्थ्य–सजगता	गृह वातावरण	275	273	0.223**	सार्थक

**= 0.01 स्तर पर सार्थक

उपरोक्त तालिकानुसार माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध के अवलोकन से ज्ञात होता है कि, स्वतंत्र अंश (df½ 273 पर प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांकों का मान सहसम्बन्ध तालिका में सार्थकता स्तर 0. 01 पर प्रदर्शित मान 0.181 से अधिक है जो दर्शाता है कि स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य परिमित कोटि धनात्मक व सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। अतः परिकल्पना 5 अस्वीकृत होती हैं।

उद्देष्य 8 – माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जनजाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन।

तालिका 8: माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जनजाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक के मान का विवरण।

आश्रित चर	स्वतन्त्र चर	संख्या	स्वतंत्र अंश ;कद्धि	सहसम्बन्ध गुणांक ;तद्ध	परिणाम
स्वास्थ्य–सजगता	गृह वातावरण	30	28	0.221	असार्थक

उपरोक्त तालिकानुसार माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जनजाति की किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य सहसम्बन्ध के अवलोकन से ज्ञात होता है कि, स्वतंत्र अंश (df) 28 पर प्राप्त सहसम्बन्ध गुणांकों का मान सहसम्बन्ध तालिका में सार्थकता स्तर 0.05 पर प्रदर्शित मान 0.361 से अधिक है जो दर्शाता है कि स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं गृह वातावरण के मध्य परिमित कोटि का धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया। अतः परिकल्पना 6 स्वीकृत होती हैं।

शोध निष्कर्ष

- माध्यमिक स्तर की ग्रामीण किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।
- माध्यमिक स्तर की शहरी किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।
- माध्यमिक स्तर की सामान्य जाति किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।
- माध्यमिक स्तर की पिछड़ी जाति किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।
- माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जाति किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।
- माध्यमिक स्तर की अनुसूचित जनजाति किशोरियों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं उनके गृह वातावरण के मध्य असार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।

शैक्षिक उपादेयता

प्रस्तुत शोध से प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर यह कहा जा सकता है कि ऊधमसिंह नगर जिले के शासकीय तथा सहायता–प्राप्त अशासकीय माध्यमिक बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् ग्रामीण किशोरियो की स्वास्थ्य के प्रति सजगता शहरी किशोरियों से कम है, वहीं अनुसूचित जनजाति की किशोरियो की स्वास्थ्य के प्रति सजगता अन्य सभी जाति की किशोरियाँ से कम है। अतः ऊधमसिंह नगर जिले में प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय–समय पर किशोरियो की स्वास्थ्य के प्रति सजगता के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों मे कैम्प, जागरुकता कार्यक्रम, कार्यशाला आयोजित किये जाने की आवश्यकता है, विद्यालय प्रशासन द्वारा अभिभावको व किशोरियो के लिए शिक्षको व स्वास्थ्य परामर्शदाताओं के द्वारा गोष्ठी एवं व्याख्यान का आयोजित किये जाने आवश्यकता है।

भावी षोध हेतु सुझाव

प्रस्तुत शोध उत्तराखण्ड राज्य के ऊधमसिंह नगर जिले के शासकीय तथा सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक बालिका विद्यालयों में माध्यमिक स्तर की किशोरियो पर किया गया है। भविष्य में उत्तराखण्ड राज्य के अन्य जिलों, दुर्गम व पर्वतीय क्षेत्रों, अशासकीय विद्यालयों मे, उच्च माध्यमिक स्तर किशोरियो, विद्यालय न जाने वाली किशोरियो की स्वास्थ्य के प्रति सजगता का अध्ययन किया जा सकता है।

सन्दर्भ सूची

1. गुप्ता,एस॰पी॰, गुप्ता,अल्का, उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन प० एण्ड डि०, इलाहाबाद
2. कुमार, अरुण, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ, मोती लाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
3. डॉ संतोष जैन पासी एवं सुरिंद्रा जैन (2016) "बालिका सशक्तीकरण में बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण का महत्व", कुरूक्षेत्र ग्रामीण विकास को समर्पित, जनवरी 2016 वर्ष 62 अंक 03।
4. ईश्वर वी० बासवारेड्डी (2019) "जीवन जीने की कला और सेहतमंद जीवन का विज्ञान है योग" योजना, जून 2019 7–10।
5. वी० एन० गंगाधर, शिवारामा बरबल्लि एवं रश्मि अरासप्पा (2019) "योग और मानसिक स्वास्थ्य" योजना, जून 2019 12–15।
6. आर० एलनगोवन (2019) "सेहतमंद जीवन के लिए योग", योजना, जून 2019 20–22।
7. Sathyabama, B and Jeryda Gnanajane Eljo, J.O., (2014) "Family Environment and Mental Health of Adolescent Girls" International Journal of Humanities and Social Science Invention. Vol-3(9)Sept2014,PP.46-49
8. Hassan, M.K, Jayaswal M, Hassan P. (2001) "Hygiene Education and Health Awareness in Tribal Students: An Intervention Study", Social Change.Dec 2001; 31(4):76-92.
9. Jacob, K.S., (2009) Caste and Inequalities in Health. The Hindu, 22 august 2009.
10. Kowal, Paul and Afshar, Sara (2015) "Health and the Indian caste system" The Lancet Volume 385, No. 9966, p415–416, 31 January 2015.